२९.८.२०२२

आज यह पत्रावली वादिनी विनीता द्वारा प्रार्थना पत्र दावा विड्रो करने का पेश करने पर पेशी में ली गई। वादी द्वारा निवेदन किया गया कि अब उक्त प्रकरण में पक्षकारान के मध्य लोक अदालत की भावना से राजीनामा हो चुका है। वादी अपने प्रकरण को विड्रो करना चाहता है। लोक अदालत की भावना से दावा विड्रो करता हूँ। अतः वादी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र के आधार पर वादी का दावा जरिये विड्रोवल के आधार पर खारिज किया जाता है। पत्रावली बाद तकमील पूर्ति होकर दाखिल दफ्तर हो।

[illegible]

पक्षकारान

[illegible]

Signature Not Verified

Digitally signed by Divya
Date: 2022.09.16 18:05:36 IST
Reason: SelfAttested